४: कठपुतली

प्रश्नावली

<u>कविता से</u>

प्रश्न 1. कठपुतली को गुस्सा क्यों आया?

प्रश्न 2. कठपुतली को अपने पावों पर खड़ी होने की इच्छा है, लेकिन वह क्यों नहीं खड़ी होती ?

प्रश्न 3. पहली कठपुतली की बात दूसरी कठपुतलियों को क्यों अच्छी लगी ?

प्रश्न 4. पहली कठपुतली ने स्वयं कहा की – ये धागे क्यों हैं मेरे पीछे - आगे? इन्हे तोड़ दो। मुझे मेरे पावों पर छोड़ दो।तो फिर वह चिंतित क्यों हुई की ये कैसी इच्छा मेरे मन में जगी? नीचे दिए वाक्यों की सहायता से अपने विचार व्यक्त कीजिए –

• उसे दूसरी कठपुतलियों की जिम्मेदारी महसूस होने लगी।

• उसे शीघ्र स्वतंत्र होने की चिंता होने लगी।

• वह स्वतंत्रता की इच्छा को साकार करने और स्वतंत्रता को हमेशा बनाए रखने के उपाय सोचने लगी।

• **वह डर गई, क्योंकि उसकी उम्र कम थी।**

कविता से आगे

प्रश्न 1. बहुत दिन हुए हमें अपने मन के छंद छुए। इस पंक्ति का अर्थ और क्या हो सकता है? अगले पृष्ठ पर दिए हुए वाक्यों की सहायता से सोचिए और अर्थ लिखिए –

1. बहुत दिन हो , में में कोई उमंग नहीं आई।
2. बहुत दिन हो गए, मन के भीतर कविता सी कोई बात नहीं उठी, जिसमें छंद हो, लय हो।
3. बहुत दिन हो गए, गाने - गुनगुनाने का मन नहीं हुआ।
4. बहुत दिन हो गए, मन का दुख दूर नहीं हुआ और न मन में खुशी आई।

प्रश्न 2. नीचे दो स्वतंत्रता आंदोलनों के वर्ष दिए गए हैं। इन दोनों आंदोलनों के दो – दो स्वतंत्रता सेनानियों के नाम लिखिए –

1. सन 1857
2. सन 1942

अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1. **स्वतंत्र होने की लड़ाई कठपुतलियों कैसे लड़ी होंगी और स्वतंत्र होने के बाद स्वावलंबी होने के लिए क्या – क्या प्रयत्न किए होंगे? यदि उन्हें फिर से धागे में बांधकर नचाने के प्रयास हुए होंगे तब उन्होंने अपनी रक्षा किस तरह के उपायों से की होगी** ?

भाषा की बात

प्रश्न 1.कई बार जब को शब्द आपस में जुड़ते है तो उनके मूल रूप में परिवर्तन हो जाता है। कठपुतली शब्द में भी इसी प्रकार का सामान्य परिवर्तन हुआ है। जब काठ और पुतली दो शब्द एक साथ हुए कठपुतली शब्द बन गया और इससे बोलने में सरलता आ गई। इस प्रकार के कुछ शब्द बनाइए –

जैसे – काठ (कठ) से बना - कठगुलाब, कठफोड़ा,

हाथ – हथ

सोना – सोन

मिट्टी – मट

प्रश्न 2. कविता की भाषा में लय या तालमेल बनाने के लिए प्रचलित शब्दों सिर वाक्यों में बदलाव होता है। जैसे – आगे – पीछे ,अधिक प्रचलित शब्दों की जोड़ी है, लेकिन कविता में पीछे – आगे का प्रयोग हुआ है। यहां ‘ आगे का ‘ – बोली ये धागे से ध्वनि का तालमेल है। इस प्रकार के शब्दों की जोड़ियों में आप भी परिवर्तन कीजिए – दुबला – पतला , इधर – उधर, ऊपर- नीचे, दाएं – बाएं , गोरा – काला, लाल – पीला आदि।

उत्तर

<u>कविता से</u>

उत्तर 1– कठपुतली को गुस्सा इसलिए आया क्योंकि उसे धागे से बांधकर रखा जाता था परन्तु कठपुतली स्वतंत्र होना चाहती थी। उसे यह बंधन पसंद न था। वह पराधीन रहना नहीं चाहती थी।
उत्तर 2– कठपुतली की समस्या यह है कि वह स्वतंत्र रूप से खड़ी तो होना चाहती है परन्तु उसमें सामर्थ्य नहीं की स्वयं खड़ी हो सके। उसे यह अंदेशा भी है कि उसकी यह कोशिश अन्य कठपुतलियों को मुसीबत में डाल सकती है क्योंकि सारे कठपुतलियों की स्वतंत्रता की जिम्मेदारी उसपर थी।यही कारण है कि इच्छा होते हुए भी वह खड़ी नहीं होती।

उत्तर 3– सभी कठपुतलियां धागे से बंधी हुई थी। इस बंधन से सभी दुखी थी।सभी को स्वतंत्र होने की इच्छा थी तथा वे अपनी इच्छानुसार अपना जीवन व्यतीत करना चाहती थीं।इसी कारण सभी कठपुतलियों को पहली कठपुतली की बात अच्छी लगी।

उत्तर 4– पहली कठपुतली स्वतंत्र होना चाहती थी।अपने पावों पर खड़ी होना चाहती थी परन्तु जब उसे अन्य कठपुतलियों की जिम्मेदारी का ध्यान आया तो वह चिंतित हो गई की कहीं उसका यह कदम दूसरी कठपुतलियों को मुसीबत में न डाल दे? वह अपने स्वतंत्र होने के सपने को साकार करना चाहती थी तथा स्वतंत्रता बनी रहे, ऐसे उपाय सोचती रहती थी। उस यह भी डर सता रहा था कि उसकी उम्र कम है तथा वह सभी की जिम्मेदारी उठाने में असमर्थ है।

कविता से आगे

उत्तर 1– उपर्युक्त पंक्तियों का अर्थ यह हो सकता है - बहुत दिनों से मन में कोई उमंग नहीं जगी, मन में ऐसी कोई बात नहीं आती जिसमें कविता सी लय हो। बहुत दिनों से मन में गाने गुनगुनाने की इच्छा नहीं हुई, मन में प्रसन्नता नहीं हुई, मन का दुख दूर नहीं हुआ।

उत्तर 2- सन 1857 के स्वतंत्रता सैनानी

- रानी लक्ष्मीबाई
- वीर कुंवर सिंह

सन 1942 के स्वतंत्रता सैनानी

- महात्मा गांधी
- सरदार वल्लभ भाई पटेल
- सुभाषचंद्र बोस

अनुमान और कल्पना

उत्तर 1– स्वतंत्र होने के लिए सर्वप्रथम कठपुतलियों ने एक होकर योजना बनाई होगी। उन्होंने धागे से बंधकर रहने का बहिष्कार किया होगा। स्वावलंबी होने के लिए यथाशक्ति प्रयास किया होगा।

यदि उन्हें फिर से धागे से बंधकर नाचने के लिए मजबूर किया गया होगा तो उन्होंने इससे इंकार किया होगा। प्राण जाए पर वचन न जाए ऐसा

नारा उन्होंने जोर से लगाया होगा। उन्होंने अपनी रक्षा के लिए हर प्रयास किया होगा।

<u>भाषा की बात</u>

उत्तर 1–

- हाथ – हथकड़ी , हथगोला
- सोना – सोनपापड़ी , सोन महल, सोन गृह, सोन भद्र
- मिट्टी – मटका, मट मैला,

उत्तर 2-

पतला – दुबला

उधर – इधर

नीचे – ऊपर

बाएँ – दाएँ

काला – गोरा

पीला - लाल